सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel
डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
DGR Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com
वर्ष : 11 अंक : 128 | इंदौर, शनिवार 22 नवंबर, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. Air Pollution: दिल्ली की हवा में सांस लेना हुआ मुश्किल, कई इलाकों में 400 से ज्यादा AQI, प्रदूषण का कहर जारी
2. US: रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज
3. G20: 'जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील
4. 'अगर हिंदू नहीं रहेगा तो दुनिया नहीं रहेगी', RSS चीफ मोहन भागवत ने ऐसा क्यों कहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया तीन दिवसीय फेड एक्सपो-2025 का शुभारंभ

म.प्र. उद्योगों के लिए पसंदीदा राज्य, एक्सपो उद्योगों को दुनिया से जोड़ने में सहायक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए तेजी से उभरता हुआ पसंदीदा राज्य बन रहा है। फेड एक्सपो जैसे आयोजन स्थानीय उद्योगों और स्टार्ट-अप्स को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच से जोड़ने में बड़ी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे एक्स्पो उद्योग-धंधों, नवाचार और एमएसएमई सेक्टर के विकास के लिए एक बड़ा मंच साबित होते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को गोविन्दपुरा में आयोजित फेड एक्सपो-2025 समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने, एमएसएमई सेक्टर को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार के नए अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के एग्जिबिशन हॉल में फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फेड एक्सपो-2025 का दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत् शुभारंभ किया। यह एक्सपो 23 नवम्बर तक चलेगा। एक्सपो में मध्यप्रदेश सहित देश-विदेश से आए उद्योग एवं एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़े उद्यमियों, निवेशकों और संस्थानों ने व्यापक रूप से भागीदारी की। एक्सपो में रूस, ओमान और ताईवान देशों से भी उद्यमी आए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इपिक प्रोजेक्ट का विमोचन किया। इससे स्व-सहायता समूह, स्कूल, कॉलेज, ग्राम पंचायतें, शासकीय कार्यालय सभी एक प्लेटफार्म से जुड़ेंगे। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रदेश में 1000 इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

सीएम ने गाया- 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंगलिस्तानी'

भोपाल के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में फेड एक्सपो-2025 का शुभारंभ करने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फिल्म श्री 420 का गाना 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंगलिस्तानी' भी गुनगुनाया। ताइवान, रूस और ओमान के उद्योगपतियों की मौजूदगी में इस गाने की लाइनें गाईं। उन्होंने कहा कि ताइवान की निडरता, ओमान की प्रतिबद्धता और रसिया की मित्रता, वो तो राजकुमार के जमाने से है।उन्होंने कहा कि कई मौके पर रसिया के साथ दोस्ती की मिसाल कायम हुई है। यह गौरव की बात है। उन्होंने कारोबार में सहभागिता होने की बात भी कही। इससे पहले उन्होंने जीआईए एग्जीबिशन सेंटर में एक्सपो का शुभारंभ किया। साथ ही आगंतुक विदेशी निवेशकों और अन्य उद्योगपतियों का स्वागत किया। कहा कि एक्सपो के माध्यम से एक बार फिर रूस, ओमान और ताइवान के साथ हमारे संबंध बेहतर होंगे।

खजराना मंदिर के पास चलेगा बुलडोजर...

सड़क चौड़ीकरण के लिए टूटेगी 100 साल पुरानी बसाहट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रमुख धार्मिक स्थल खजराना गणेश मंदिर के पास की सड़क को भी मास्टर प्लान में शामिल किया गया है। रिंगरोड खजराना मंदिर द्वार से जमजम चौराहा तक की सड़क को 60 फीट चौड़ा किया जाना है। मास्टर प्लॉन में शहर की 23 सड़कों को लिया गया है। कहीं, 60 तो कहीं 80 फीट सड़क बनना है, लेकिन यह सड़क इसलिए खास है क्योंकि यह रिंग रोड से बायपास के यातायात को जोड़ती है। यह इलाका विधायक महेन्द्र हार्डिया के विधानसभा क्षेत्र में आता है। यहां चौड़ी सड़क के निर्माण के लिए कई मकान और दुकान तोड़े जाएंगे, इसलिए जनता लंबे समय से इसका विरोध कर रही है।

खजराना गणेश मंदिर की वजह से इस क्षेत्र में लगभग 100 साल पहले से खासी बसाहट होने लगी। मंदिर के आसपास समय के साथ साथ बाजार भी बसने लगे। मंदिर की वजह से ट्रैफिक अधिक होता था इसलिए यहां पर पहले भी कई बार सड़क चौड़ीकरण का प्रयास किया गया। पुराना रहवासी क्षेत्र होने और कई कद्दावर नेताओं के यहां रहने की वजह से हर बार यहां पर सड़क चौड़ीकरण का मामला ठप हो गया। इस बार मास्टर प्लान में इस सड़क के विकास की बात हो रही है तो भी लोग विरोध कर रहे हैं। व्यापारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि सड़क के आसपास प्रमुख बाजार आते हैं। यदि यहां पर सड़क का चौड़ीकरण होगा तो बहुत से लोगों का रोजगार छिन जाएगा। यह क्षेत्र विधायक महेन्द्र हार्डिया के विधानसभा में आता है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि वे कई बार मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक हार्डिया से मिल चुके हैं, लेकिन किसी से भी उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। व्यापारियों का कहना है कि यदि यहां पर दुकानें टूटी तो वे सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

यह है योजना

1. 100 साल पुराना रहवासी और व्यापारिक क्षेत्र
2. सबसे प्रमुख मंदिर खजराना गणेश है यहां
3. 1000 से अधिक दुकानें हैं इस क्षेत्र में
4. सड़क को 60 फीट चौड़ा करने का प्रस्ताव है
5. इसमें लगभग 1034 करोड़ रुपये का खर्च आएगा
6. 1.12 किमी आएगी मास्टर प्लान के दायरे में
7. इसलिए जरूरी चौड़ी सड़क
8. खजराना मंदिर को धार्मिक पर्यटन के लिए विस्तार मिलेगा
9. खजराना रिंग रोड से बायपास तक के ट्रैफिक में सुधार होगा
10. आसपास के क्षेत्र में कालोनियों का विकास तेज होगा
11. अस्पताल, स्कूल और बाजारों के विकास को गति मिलेगी

महू से कालाकुंड तक चलने वाली ट्रेन पर लगा ब्रेक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। दिसंबर में इंदौर में काफी पर्यटक घूमने आते है। उज्जैन, महेश्वर के अलावा प्रदेश की एकमात्र हेरिटेज ट्रेन का लुत्फ भी लेते है, लेकिन रेलवे ने शुक्रवार से इस ट्रेन का संचालन बंद कर दिया। अब यात्रियों का इस सफर का आनंद लेने के लिए अगले साल तक इंतजार करना होगा। मानसून सीजन में इस ट्रेन का संचालन शुक्रवार, शनिवार व रविवार को किया जाता है, लेकिन शुक्रवार को ट्रेन नहीं चली। अफसरों का कहना है कि इस ट्रेन को पर्याप्त यात्री नहीं मिल पा रहे है। ट्रेन कब शुरू होगी। इसके बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी गई। गर्मी के दिनों को छोड़कर यह ट्रेन सात माह से ज्यादा समय तक महू से कालाकुंड के बीच यात्रियों के लिए संचालित होती है, लेकिन इस बार इसे नवंबर माह में ही बंद कर दिया है,जबकि दिसंबर तक इंदौर व आसपास के धार्मिक स्थलों पर आने वाले यात्री इस हेरिटेज ट्रेन से भी कालाकुंड तक जाते है। इस ट्रेक पर अंग्रेजों के जमाने के ब्रिज, झरने, खाई, पहाड़ सहित अन्य प्राकृतिक स्थल हेरिटेज ट्रेन के सफर में देखे जाते है। कालाकुंड, पातालपानी में प्राकृतिक नजारों को निहारे के लिए लोग जाते है, लेकिन वहां पर्यटन विभाग ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। इस कारण पर्यटकों की दिलचस्पी ज्यादा नहीं रहती है। जब इस ट्रेन को शुरू किया गया था तो कालाकुंड में पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग को योजना बनाने के लिए कहा गया था, लेकिन इसके लिए कोई कवायद नहीं हो पाई। न होम स्टे बने और न ही वाटर स्पोर्टस शुरू हो पाए।

● मतदाता सूची पुनरीक्षण को मिलेगी रफ्तार – कलेक्टर वर्मा ने ली संयुक्त बैठक, कर्मचारी संगठनों ने दिया सहयोग का भरोसा

आगे आकर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में देंगे सक्रिय सहयोग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। **मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को तीव्र गति देने, निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा ने आज विभिन्न कर्मचारी संगठनों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली।**

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने एसआईआर प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी संगठनों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में प्रत्येक विभाग और संगठन की भूमिका अत्यंत अहम है, इसलिए सभी अधिकारी-कर्मचारी स्वयं भी फॉर्म भरें और दूसरों को जोड़ने में मदद करें।

बैठक में अपर कलेक्टर रोशन राय सहित शिक्षा, कृषि एवं स्वास्थ्य विभाग के जिला अधिकारी भी उपस्थित थे। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि वे आगे आकर इस कार्य में पूर्ण सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि वे स्वयं फॉर्म भरने के साथ अपने परिवार के सदस्यों, संगठन के सदस्यों और आसपास के नागरिकों को भी फॉर्म भरवाने में मदद करेंगे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी शासकीय विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभाग के अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों से भी फॉर्म भरवाएँ और उन्हें प्रेरित करें कि वे अपने परिवार के सदस्यों व पड़ोसियों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी की सक्रिय भागीदारी इस महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य को सफल बनाने में निर्णायक साबित होगी।

नेशनल शूटर से छेड़छाड़ करने वाले आरोपियों की जमानत खारिज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नेशनल शूटर खिलाड़ी के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना में कोर्ट ने शुक्रवार को सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है। गुरुवार को वर्मा ट्रैवल्स की बस के ड्राइवर व हेल्परों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए युवती फ्लाइट से गुरुवार सुबह इंदौर पहुंची थी। उसके साथ दिल्ली हाईकोर्ट के एडवोकेट व परिजन भी थे।

डीसीपी जोन-1 कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि नेशनल शूटर युवती के साथ 16 नवंबर को वर्मा ट्रैवल्स की बस (एमपी 09 एजी 0336) में भोपाल से सफर करने के दौरान छेड़छाड़ की घटना हुई थी। युवती की रिपोर्ट पर बस ड्राइवर अरविंद वर्मा, हेल्पर परमिंदर गौतम व दीपक मालवीया के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया गया था। पूछताछ के बाद शुक्रवार को आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को जेल भेजने के आदेश दिए हैं। युवती ने पुलिस को शिकायत में बताया था कि जब वह भोपाल से बस में बैठी थी, तब आरोपी परमिंदर गौतम और दीपक मालवीया दोनों नशे में थे। जब सीट पर चढ़ने लगी, तब आरोपी परमिंदर द्वारा बार-बार बेड टचिंग की जा रही थी। नेशनल शूटर से छेड़छाड़ के मामले में राजेंद्र नगर पुलिस ने बुधवार को वर्मा ट्रेवल्स की बस जब्त की थी। वहीं तीन युवकों को थाने बुलाकर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की थी। बता दें कि 5 दिन पहले भोपाल से इंदौर और पुणे के बीच चलने वाली बस में नेशनल शूटर के साथ छेड़छाड़ हुई थी।

73 प्रतिशत लोग मोबाइल की लत से पीड़ित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। **एमजीएम मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग द्वारा मोबाइल की लत से परेशान 500 लोगों पर किए गए अध्ययन के बेहद परेशान करने वाले निष्कर्ष सामने आए हैं। इसके अनुसार मोबाइल अब सिर्फ एक तकनीकी उपकरण नहीं रह गया, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। अध्ययन के अनुसार 73 प्रतिशत लोग मोबाइल की लत यानी डिजिटल डिपेंडेंसी से पीड़ित पाए गए।**

अत्यधिक मोबाइल उपयोग के कारण लोग बिना एहसास किए मूक अवसाद (साइलेंट डिप्रेशन) का शिकार हो रहे हैं। 80 प्रतिशत प्रतिभागियों में हल्का लेकिन लगातार चलने वाला अवसाद देखा गया। औसतन लोग प्रतिदिन सात घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। यानी साल भर में करीब 1800 घंटे यानी पूरे 75 दिन मोबाइल पर निकल जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मोबाइल न मिलने पर घबराहट (नोमोफोबिया), नींद में कमी, तनाव बढ़ना और बार-बार फोन चेक करने की मजबूरी जैसे व्यवहारगत लक्षण बढ़ते जा रहे हैं। बच्चों और किशोरों में इसका असर और भी गंभीर है। किशोरों में अवसाद का खतरा बढ़ रहा है और 10–14 वर्ष के बच्चों में दिमागी विकास प्रभावित हो रहा है।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर खाद्य विभाग की प्रभावी कार्रवाई

विभिन्न गैस एजेंसियों के विरुद्ध दर्ज किए प्रकरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण, गैस रिफलिंग, गैस की कालाबाजारी पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीएम हेल्पलाइन अन्य माध्यम से प्राप्त शिकायत की टीम भेजकर तत्काल जांच कराने पर अनियमितताएं जाने पर प्रभावी कार्रवाई की गई है। एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूटरों से पंजीकृत उपभोक्ताओं को सही मात्रा एवं समय पर गैस सिलेंडरों की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इस हेतु निरंतर अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य विभाग की टीम द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन में महामाया गैस एजेंसी (आईओसीएल एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूटर) विजय नगर इंदौर के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर गैस एजेंसी की जांच करवाई गई। जांच में गैस एजेंसी पर विभिन्न प्रवर्ग के गैस सिलेंडरों के स्टॉक में अंतर होना पाया गया। गैस एजेंसी का गोदाम घनी आबादी रहवासी क्षेत्र में स्थित होना पाया गया। गैस एजेंसी के प्रोपरायटर निपेन्द्रसिंह पिता शैलेन्द्रसिंह एवं प्रबंधक श्रीमती कविता पति संजय शुक्ला के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के उल्लंघन के फलस्वरूप सुसंगत धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। गैस गोदाम रिहायसी इलाके से अन्यत्र शिफ्ट करने के लिए तेल कंपनी को तत्काल अन्यत्र शिफ्टिंग के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

इसी प्रकार अरिहंत गैस एजेंसी, तिलक नगर, इंदौर (आईओसीएल एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूटर) के हॉकर द्वारा घरेलू गैस सिलेंडरों से गैस अंतरण की शिकायत प्राप्त होने पर जिला आपूर्ति नियंत्रक द्वारा तत्काल खाद्यान्न नापतोल का दल भेज कर शिकायत की जांच की गई। जिसमें मौके पर शिकायत सही पाई गई। गैस एजेंसी के अधिकृत हॉकर द्वारा मौके पर एक सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में बंसी लगाकर गैस का अंतरण करने पर विभाग के द्वारा गैस एजेंसी के वाहन में 14.2 कि.ग्रा. प्रवर्ग के भंडारित 17 नग भरे तथा 20 नग खाली गैस सिलेंडरों को जप्त किया गया, जिसका जप्ती मूल्य 2,96,377/- रूपये आंका गया है। गैस एजेंसी की रिकॉर्ड जांच दल द्वारा की गई, जिसमें विभिन्न प्रवर्ग के गैस सिलेंडरों के स्टॉक में भारी अंतर पाये जाने से मौके पर पाये गये 14.2 कि.ग्रा. प्रवर्ग के 18 नग भरे, 120 नग खाली, 19 कि.ग्रा. प्रवर्ग के 160 नग भरे, 51 नग खाली, 10 कि.ग्रा. प्रवर्ग के 2 नग भरे, 2 नग खाली एवं 5 कि.ग्रा. प्रवर्ग के गैर घरेलू 2 नग भरे, 21 नग खाली गैस सिलेंडर्स जप्त किये गये, जिसका जप्ती मूल्य 11,32,558/- रूपये आंका गया। गैस एजेंसी के प्रोपरायटर विवेक जैन, हॉकर दीपक पिप्लोदे, वाहन चालक मिथुन कलमे के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के उल्लंघन के फलस्वरूप सुसंगत धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। एजेंसी के अधिकृत होकर द्वारा उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर फॉर्म डिलीवरी के पूर्व गैस की रिफिल जैसी गंभीर अनियमितताएं किए जाने पर अपराध की गंभीरता को देखते हुये संबंधितों के विरूद्ध तिलकनगर थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने करवाई की गई है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर निरंतर अभियान चलाकर गैस सिलेंडर के रिफिल, कालाबाजारी, अवैध क्रय विक्रय, अवैध भंडारण पर प्रभावी कार्रवाई जांच पड़ताल जारी है। इसके साथ ही जो रिहायशी इलाके में गोदाम स्थित है, जिसमें भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित हो सकती है, जिसके लिए प्रत्येक गोदाम का भौतिक सत्यापन खाद्य नापतौल के संयुक्त दल द्वारा करवाया जा रहा है।

18 बीघा शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से कराया गया मुक्त

लगभग 60 करोड़ रुपए है मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित कीमत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। **कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार तथा अनुविभागीय अधिकारी राकेश परमार के नेतृत्व में डॉ. अम्बेडकर नगर, महू में महत्वपूर्ण राजस्व कार्रवाई संपादित की गई। जिला प्रशासन की टीम ने लगभग 18 बीघा शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। मुक्त करायी गई भूमि की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 60 करोड़ रुपये है। इस भूमि पर करीब 40 वर्षों से अवैध कब्जा था।**

उक्त भूमि कब्जा मुक्त कराकर हाउसिंग बोर्ड को सौंप दी गई है। यह भूमि लंबे समय से अतिक्रमणकारियों द्वारा कब्जा किए जाने के कारण सरकारी उपयोग में नहीं लाई जा पा रही थी। राजस्व, पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा स्थल पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। राजस्व अमले ने मौके पर सीमांकन कर भूमि को विधिवत सरकारी कब्जे में लिया। प्रशासन द्वारा कब्जा मुक्त भूमि को औपचारिक रूप से मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड को हस्तांतरित कर दिया गया। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि जिले में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे तथा इसी प्रकार की सख्त और प्रभावी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ब्रेन में ब्लीडिंग, 5 घंटे नहीं मिला वेंटिलेटर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। ब्रेन में ब्लीडिंग के चलते आठ महीने की एक बच्ची को उसके माता-पिता खंडवा से इंदौर लाए, लेकिन उसे समय पर वेंटिलेटर नहीं मिला। वे एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकते रहे। इस दौरान बच्ची एम्बुलेंस 108 में ही वेंटिलेटर पर रही। करीब 5 घंटे बाद उसे वेंटिलेटर उपलब्ध हो सका। उसकी हालत अब गंभीर बनी हुई है।

मामला नितेश दांगोदे, निवासी हीरा गांव, पंधाना (खंडवा), की आठ महीने की बच्ची सिद्धि का है। माता-पिता ने पहले खंडवा के सरकारी अस्पताल में

दिखाया, जहां वह एक हफ्ते तक एडमिट रही। गुरुवार को उसकी हालत बिगड़ने पर माता-पिता उसे एम्बुलेंस 108 से लेकर सुबह 11 बजे इंदौर के लिए रवाना हुए।

परिजन करीब 2 बजे वे एमवाय अस्पताल पहुंचे। यहां दिखाने पर उसे चेस्ट वार्ड भेजा गया। वहां 20 वेंटिलेटर थे और सभी भरे हुए थे। इसके बाद बच्ची को दूसरी मंजिल स्थित PICU में भेजा गया, तो पता चला कि यह बच्चों की सर्जरी का यूनिट है, जहां सिर्फ सर्जरी वाले बच्चों को ही एडमिट किया जाता है। एम्बुलेंस 108 के स्टाफ जय ने बताया कि वे उसे जीपीओ स्थित सरकारी पीसी सेठी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां भी वेंटिलेटर खाली नहीं मिला। बताया गया कि यहां एक माह की उम्र तक के बच्चों का यूनिट है और सभी पांचों वेंटिलेटर पर अन्य बच्चे एडमिट थे। इसके बाद एम्बुलेंस 108 का स्टाफ उसे लेकर सरकारी एमटीएच अस्पताल पहुंचा, तो पता चला कि यहां भी केवल नवजात बच्चों का यूनिट है। एम्बुलेंस 108 का स्टाफ उसे फिर एमवायएच लेकर पहुंचा और वहां से अन्य सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता की जानकारी लेते रहे। इस दौरान एम्बुलेंस चेस्ट सेंटर परिसर में खड़ी रही और बच्ची उसी में वेंटिलेटर पर थी। एम्बुलेंस स्टाफ ने चेस्ट वार्ड से डॉक्टरों को बुलाया, जिन्होंने बाहर आकर एम्बुलेंस में ही उसकी हालत देखी और उसे संभाला।

महिला के गले से सोने की चेन खींची

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर में एक बदमाश ने महिला के गले से सोने की चैन झपट ली। आरोपी इसके बाद स्कूटर से फरार हो गया। गुरुवार रात महिला थाने पहुंची और अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस ने बताया कि उषा गुप्ता (65) निवासी दीनदयाल उपाध्याय नगर की शिकायत पर स्कूटर सवार एक आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उषा गुप्ता ने बताया कि वह पी ब्लॉक में रहती है और अपने ब्लॉक की सीढ़ियों पर पैदल जा रही थी। तभी बदमाश पीछे से आया और ध्यान भटकाकर गले में पहनी सोने की चेन, पैंडल और झुमकी छीनकर भाग गया। महिला ने बताया कि आरोपी ने अपनी स्कूटर चालू हालत में खड़ी की थी। जिससे वह भाग गया। उन्होंने मदद के लिए आवाज भी लगाई, पर तब वहां कोई नहीं था। महिला ग्रहणी है और उनके पति की मौत हो चुकी है। तिलक नगर में भी एक ग्रहणी के साथ इसी तरह की वारदात सामने आई थी। 13 नवंबर को अंकिता असावा के साथ वारदात हुई थी। वह किराना दुकान पर सामान लेने गई थीं। तब बदमाशों ने गले से सोने की चेन पर झपट्टा मारा और लेकर फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है, लेकिन आरोपी पकड़ से बाहर है।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक को एमपी हाईकोर्ट से मिली राहत

घर गिराने पर 15 दिन की रोक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। देश में आतंकवाद का केंद्र बनकर सामने आई फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक एवं अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी के पिता हम्माद अहमद के महू स्थित पैतृक मकान पर जारी तोड़फोड़ नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की।

यह याचिका इस मकान में रह रहे दखलदार अब्दुल मजीद की ओर से दायर की गई है। अब्दुल मजीद के अधिवक्ता अजय बागड़िया ने अदालत को बताया कि हम्माद सिद्दीकी अब जीवित नहीं हैं और उन्होंने इस मकान का स्वामित्व अब्दुल मजीद के नाम कर दिया था इसलिए इस संपत्ति के वैध मालिक अब्दुल मजीद हैं। उन्होंने बताया कि महू कैंटोनमेंट

बोर्ड ने मकान का अवैध निर्माण हटाने के लिए नोटिस जारी किया था, जिसमें तीन दिनों के भीतर कार्रवाई करने को कहा गया। अधिवक्ता के अनुसार नोटिस में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि अतिक्रमण कितना है और किस हिस्से में है। अजय बागड़िया ने कहा कि इसी तरह के नोटिस वर्ष 1996 और 1997 में भी जारी किए गए थे, लेकिन न तो कब्जा हटाया गया और न ही प्रशासन ने कोई कार्रवाई की। ऐसे में केवल तीन दिनों का समय देना अनुचित है। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2025 के दिशा-निर्देशों के अनुसार किसी भी तोड़फोड़ या अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई से पहले कम से कम 15 दिनों का नोटिस देना अनिवार्य है, इसलिए तीन दिन की अवधि आदेश का उल्लंघन है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने फिलहाल याचिकाकर्ता को अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने के लिए 15 दिनों की मोहलत दी। साथ ही कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि यदि इस संपत्ति के खिलाफ कोई आदेश पारित किया जाता है, तो याचिकाकर्ता को इसे चुनौती देने के लिए अतिरिक्त 10 दिन का समय भी मिलेगा। अधिवक्ता ने स्पष्ट किया कि यह संपत्ति अब्दुल मजीद को उपहारस्वरूप (गिफ्ट डीड) दी गई थी और इसलिए वही इसके वैध मालिक हैं। हम्माद अहमद का अब मजीद से कोई संबंध नहीं है। मामले की अगली सुनवाई तय समय पर होगी।

छात्रों का आरोप-

जबरन सिगरेट-शराब पिलाई फ्लैट पर बुलाकर मारपीट की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का एक और गंभीर मामला सामने आया है। MBBS प्रथम वर्ष (बैच 2025) के छात्रों ने UGC नेशनल एंटी-रैगिंग सेल में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि 2024 बैच के सीनियर छात्रों ने उन्हें मारपीट, गाली-गलौज, शराब-सिगरेट के लिए मजबूर करने, डराने-धमकाने और घंटों तक बंधक बनाकर रखने जैसी हरकतों का शिकार बनाया।

छात्रों ने UGC में शिकायत 18 नवंबर को दर्ज कराई थी। जिसके बाद 19 नवंबर को मामला एमजीएम कॉलेज प्रबंधन के पास पहुंचा। 20 नवंबर (गुरुवार) को मामले की जानकारी मिलने के बाद एंटी-रैगिंग सेल की बैठक हुई। यह घटना उस कॉलेज में हुई है जो पिछले दो वर्षों से लगातार रैगिंग विवादों से घिरा रहा है। बार-बार कार्रवाई के बाद भी कैंपस में रैगिंग की संस्कृति का बने रहना संस्थान की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा रहा है। मामले में दैनिक भास्कर ने डीन डॉक्टर अरविंद घनघोरिया और एंटी-रैगिंग कमेटी की चेयरमैन डॉक्टर पूर्णिमा डे सरकार से उनका पक्ष जानना चाह तो उनसे संपर्क नहीं हो सका। शिकायत के अनुसार, सीनियर छात्रों ने फ्रेशर्स को एक निजी फ्लैट पर बुलाया, जहां उनके साथ मारपीट, अपमानजनक व्यवहार किया गया और उन्हें सिगरेट-शराब पीने के लिए मजबूर किया गया। छात्रों ने दावा किया कि उन्हें करीब तीन घंटे तक वहीं रोके रखा गया और जाने नहीं दिया गया। पीड़ित छात्रों का कहना है कि वे घटना के बाद से डरे हुए हैं, तनाव में हैं और सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। शिकायत में यह भी आरोप है कि उन्हीं के बैच का एक छात्र सीनियरों का संदेश पहुंचाने और उन्हें फ्लैट पर बुलाने का काम कर रहा था, जिससे छात्र जाल में फंस गए।

निर्वाचन कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री को शोकाज नोटिस जारी किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य तेजी से जारी है। निर्वाचन कर्तव्यों में लापरवाही बरतने एवं आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के कार्यभारित कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग संधारण खण्ड क्रमांक 2 मूसाखेड़ी लक्ष्मण पाल को सहायक बीएलओ नियुक्त किया गया था। किंतु आदेश प्राप्ति उपरांत ये उपस्थित नहीं हुए। इस संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इंदौर-5 द्वारा इन्हें शासकीय दायित्व का सुचारू रूप से निर्वहन करने के संबंध में चेतावनी पत्र प्रेषित किया गया। चेतावनी पत्र की अवहेलना करते हुए इनके द्वारा आज दिनांक तक उपस्थिति प्रतिवेदित नहीं की गई, जिससे एसआईआर के कार्य में अनावश्यक विलंब की स्थिति निर्मित हुई।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने लक्ष्मण पाल को उनके इस कृत्य को स्वैच्छाचारिता एवं निर्वाचन कर्तव्य में घोर लापरवाही तथा अनुशासनहीनता की श्रेणी में मानकर शोकाज नोटिस दिया है। इन्हें अपना जवाब 24 घंटे में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इंदौर। परदेशीपुरा में एक ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह अपने परिचित के साथ इंदौर में खरीदारी करने आया था। वापस जाते समय उनकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिस के अनुसार, पंकज (40) पुत्र सिद्धनाथ चौधरी, निवासी पिपल्याराव, देवास को गुरुवार रात उनके परिचित शिवनारायण वर्मा नर्सिंग होम लेकर पहुंचे, जहां उनकी मौत हो गई। शिवनारायण ने बताया कि वह कटलरी का काम करते हैं। पंकज पेशे से ड्राइवर थे और इंदौर में खरीदारी करने आए थे। उन्हें ईको कार से सामान लेने के लिए लेकर गए थे। रात में वे वापस पिपल्याराव जा रहे थे, तभी बाणगंगा इलाके में पंकज को कार चलाते समय घबराहट हुई। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से एमवाय भेजा गया। शिवनारायण ने बताया कि पंकज को पहले भी दिल का दौरा पड़ा था, लेकिन उनका ठीक से इलाज नहीं हुआ। संभवतः हार्ट फेल होने से उनकी मौत हुई है। पंकज के परिवार में पत्नी, दो बच्चे, माता-पिता और एक भाई हैं।

मप्र वासियों को 42 देशों का वीजा मिलने पर संकट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के सैकड़ों लोगों की विदेश यात्रा की तैयारी पर संकट खड़ा हो गया है। उन्हें अब एजुकेशन, बिजनेस और टूरिज्म वीजा मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दरअसल 42 देशों की यात्रा के लिए जरूरी यलो फीवर वैक्सीनेशन एम्स भोपाल में 3 महीने बाद फिर बंद हो गया है और वीजा के लिए इसका सर्टिफिकेट जरूरी होता है। करीब एक माह तक बंद रहने के बाद यह वैक्सीनेशन 21 अगस्त को दोबारा शुरू हुआ था। अफ्रीका और लैटिसन अमेरिका के कई हिस्सों में यलो फीवर की बीमारी पाई जाती है। ऐसे में वहां यात्रा के लिए वैक्सीनेशन जरूरी होता है। एम्स भोपाल प्रदेश का एकमात्र यलो फीवर वैक्सीनेशन सेंटर है, जहां हर महीने करीब 200 से 250 लोग वैक्सीन लगवाने आते हैं। हालांकि अब एम्स भोपाल में यलो फीवर वैक्सीन का स्टॉक खत्म हो गया है, जिसके चलते वैक्सीनेशन अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है और अगली खेप कब आएगी, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

मंत्री के काफिला का वाहन डंपर से टकराया

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के काफिले का वाहन डंपर से टकरा गया। उसका आगे का हिस्सा टूट गया। उसमें सवार लोगों को चोट आई हैं। घटना के बाद मंत्री ने उतरकर हालात का जायजा लिया। मंत्री शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। घटना गुरुवार-शुक्रवार की रात को हुई। मंत्री पटेल गाडरवारा से एक विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। जिले के साई खेड़ा के पास तुमडा तिराहे पर एक ढाबे के पास रेत से भरा डंपर रुका हुआ था। डंपर चालक ने अचानक उसे सड़क पर मोड़ दिया, जिससे पीछे आ रहा मंत्री के काफिले का फॉलो वाहन उससे टकरा गया। टक्कर में फॉलो वाहन में सवार कर्मचारियों को हल्की चोटें आईं और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया।

कंटेनर ने बुजुर्ग महिला को कुचला

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के बड़वाह-इंदौर हाईवे पर शुक्रवार दोपहर पढ़ाली के पास एक कंटेनर ने बाइक सवार बुजुर्ग दंपती को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर पीछे बैठी 55 वर्षीय जयवंती बाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति घासीराम मालवीय सुरक्षित हैं। यह घटना निर्माणाधीन ब्रिज के पास हुई। हादसे में महिला के शरीर के अंग सड़क पर बिखर गए। महिला का दिल शव से 20 फीट दूर जा गिरा। जानकारी के अनुसार, कंटेनर की टक्कर के बाद बाइक असंतुलित होकर गिर गई। जयवंती बाई कंटेनर के पिछले पहिए की चपेट में आ गईं थी।

दिग्विजय ने एनकाउंटर पर सवाल उठाए

भोपाल, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के इनामी नक्सली माड़वी हिड़मा के एनकाउंटर के बाद मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने इस एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं। इससे वे विवाद के केंद्र में आ गए।दिग्विजय ने आदिवासी एक्टिविस्ट सोनी सोढ़ी का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें सोनी एनकाउंटर को फर्जी बता रही हैं। इसमें कहा है कि 'यह एनकाउंटर नहीं, हत्या थी।' सोढ़ी के वीडियो को शेयर करने पर BJP ने हमला तेज कर दिया। सांसद आलोक शर्मा ने कहा- राष्ट्र के लिए जो सैनिक शहीद होते हैं, उनके लिए दिग्विजय कुछ नहीं कहते। उनका बयान हमेशा आतंकवादियों के पक्ष में ही क्यों होता है? जनता सब जानती है, इसलिए उनकी पूरी पार्टी को चुनाव में पराजय का सामना करना पड़ रहा है।

कोटा में पढ़ाई कर रहे छात्र की मौत

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के 18 वर्षीय छात्र ईशान पालीवाल की कोटा (राजस्थान) में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह दो साल से मां के साथ किराए के फ्लैट में रहकर Joint Entrance Examination (JEE) की तैयारी कर रहा था। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे रॉयल इंपीरिया मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में हुई। पुलिस के अनुसार, ईशान 9th फ्लोर से गिरा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। घायल अवस्था में उसे तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। डीएसपी योगेश शर्मा ने बताया कि ईशान की मौत कैसे हुई? यह हादसा था या आत्महत्या? इसकी जांच की जा रही है।

प्रदेश की समृद्धि के लिए गांवों को जोड़ा जा रहा है विकास और स्वावलंबन की धारा से : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सरकार का संकल्प, हर गांव और हर खेत को पानी मिले...

विदिशा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के गरीब, किसान, बहनों और युवाओं के कल्याण के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश की समृद्धि के लिए गांवों को विकास और स्वावलंबन की धारा से जोड़ा जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए गोपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने अनेक किसान हितैषी निर्णय लिए हैं। किसानों को भावांतर योजना की राशि दी जा रही है। प्रदेश के हर गांव और हर खेत को पानी मिले, यही हमारी सरकार का संकल्प है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर जल स्त्रोतों का संरक्षण किया गया। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक आदर्श वृंदावन ग्राम विकसित करने के लिए सरकार कार्य कर रही है। शुक्रवार को शमशाबाद का कागपुर जनसहयोग से श्रेष्ठतम ग्राम बनने का एक आदर्श उदाहरण

है। सर्व सुविधा युक्त इस गांव को नए हाट बाजार की सौगात मिली है, जिसमें 128 दुकानें तैयार की गई हैं। यह बाजार आसपास की बड़ी आबादी के लिए हाट बाजार का प्रमुख केंद्र है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कागपुर में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से वॉटर पार्क बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विदिशा के कागपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के विकास का कार्य किया गया है। केन-बेतवा परियोजना से विदिशा जिले में सिंचाई के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की हर ग्राम पंचायत में वर्ष 2026 तक श्मशान घाट और सड़कों सहित सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएगी। विकास का कोई भी क्षेत्र अधूरा नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना से गोपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश में सड़क, स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा और अन्य सभी बुनियादी सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहेगी। रोजगार के साधन बढ़ाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदर्श ग्राम पंचायत कागपुर में सभी सुविधाएं मौजूद हैं। इसमें श्री सौदान सिंह का विशेष योगदान जिन्होंने हाट बाजार के लिए भूमि दान की थी। कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री एवं विदिशा जिले के प्रभारी श्री लखन पटेल, सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा, विधायक श्री हरि सिंह रघुवंशी, विधायक श्री हरि सिंह सप्रे, विधायक श्री उमाकांत शर्मा, विधायक श्री मुकेश टंडन, पूर्व विधायक श्री प्रेमनारायण शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मस्जिद की खुदाई के दौरान मिली भगवान राम की मूर्तियां, शुरु हो गई पूजा-पाठ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सागर जिले में मस्जिद निर्माण के लिए खुदाई चल रही थी। खुदाई के दौरान जमीन के अंदर से भगवान राम की मूर्तियां निकली हैं। मूर्तियां मिलने की खबर पूरे गांव में फैल गई। इसके बाद बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग पहुंच गए। साथ ही मौके पर ही मूर्तियों की पूजा शुरु हो गई। स्थिति को देखते हुए पुलिस-प्रशासन की टीम भी पहुंची है। दरअसल, यह घटना सागर जिले के बंडा तहसील के पापेड़ गांव की है। गांव में एक मस्जिद की चारदीवारी की खुदाई चल रही थी। खुदाई के दौरान ही भगवान राम की प्रतिमा मिली है। वहीं, प्रतिमा खंडित भी है। मूर्ति मिलने की खबर के बाद हिंदू संगठन के लोग वहां पहुंच गए और मंदिर बनाने की

मांग करने लगे। इसके बाद मुस्लिम पक्ष के लोग भी वहां पहुंचे, जिससे तनाव की स्थिति निर्मित होने लगी। वहीं, हिंदू संगठनों की मांग है कि इस जगह पर मंदिर बनाया जाए। उनका कहना है कि पहले यहां एक मंदिर था, जिसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। इस मांग को लेकर दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

एमपी का बजट बनाने के लिए सरकार ने मांगे सुझाव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। अगले साल पेश होने वाले एमपी के बजट को लेकर मोहन सरकार ने प्रदेश के युवाओं, नागरिकों, संगठनों से सुझाव मांगे हैं। यह सुझाव ई मेल और पत्रों के जरिए राज्य सरकार के वित्त विभाग को भेजे जा सकेंगे। सरकार ने कहा है कि उन सभी सुझावों पर सरकार अमल करेगी जो प्रदेश के ग्रामीण विकास, पारंपरिक व्यवसायों के पुनरुद्धार, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता, गोचर भूमि के सुरक्षित उपयोग से जुड़े होंगे। साथ ही स्थानीय पर्यटन, धार्मिक-ऐतिहासिक धरोहरों के विकास, पुराने शहरों के पुनर्विकास, सड़कों एवं गलियारों के चौड़ीकरण, अतिक्रमण मुक्त मॉडल, शहरी अधोसंरचना, प्रशासनिक सुधार और राजस्व वृद्धि वाले सुझावों को भी वरीयता दी जाएगी। वित्त विभाग द्वारा इन दिनों बजट की तैयारियों को लेकर विभागों के सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अफसरों से चर्चा शुरू की गई है। इस बीच विकसित मध्यप्रदेश@2047 के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 बजट तैयार करने में हर साल की तरह इस वर्ष भी नागरिकों की भागीदारी तय करने का फैसला किया गया। नागरिक अपने सुझाव MPMyGov पोर्टल, टोल फ्री नंबर 0755-2700800, ईमेल budget.mp@mp.gov.in तथा डाक के माध्यम से भी भेज सकते हैं।

पूर्व उप राष्ट्रपति धनखड़ बोले-

भगवान करे कोई नैरेटिव के चक्कर में न फंसे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। **मैंने विचार विमर्श का बाद तय किया कि आगे मैं अंग्रेजी में संबोधन करूंगा, क्योंकि जो समझना नहीं चाहते, हर हाल में धूमिल करना चाहते हैं, उन्हें मेरा सही मंतव्य पता नहीं लगेगा, क्योंकि मैं उनकी खास भाषा में बात नहीं करूंगा...।**

भगवान करे कोई नैरेटिव के चक्कर में न फंसे...। मैं अपना उदाहरण नहीं दे रहा...। नैरेटिव का शिकार बनाना चाहते हैं...। व्यक्तिगत तो लड़ नहीं सकता, लेकिन संस्था लड़ सकती है...। राष्ट्र का कॉन्सेप्ट बहुत सीमित कर दिया। समय की वजह से मेरा पूरा

गला खुल नहीं पाया...। ये बातें पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार शाम भोपाल के रवींद्र भवन में कही। वे यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य की पुस्तक 'हम और यह विश्व' का विमोचन करने आए थे। धनखड़ ने कहा- बहुत पुरानी बात है और बड़ी मुश्किल है... जो सोया हुआ है, उसे जगा सकते हैं, पर जो जागकर भी सोया हुआ है, उसे नहीं जगा सकते। बल प्रयोग भले कर लो। संबोधन के दौरान उन्हें सहयोगी ने फ्लाइट का टाइम याद दिलाया तो धनखड़ बोले- मैं फ्लाइट पकड़ने की चिंता में अपने कर्तव्य को नहीं छोड़ सकता।

संपादकीय

श्रम कानूनों में ऐतिहासिक सुधार

भारत सरकार ने शुक्रवार को देश के श्रमिकों के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए चार श्रम संहिताओं को लागू करने की घोषणा की है। यह निर्णय 21 नवंबर 2025 से प्रभावी होगा और इसका मुख्य उद्देश्य श्रम कानूनों को सरल बनाना, श्रमिकों को बेहतर वेतन, सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना है। इन चार संहिताओं में ' कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। यह कदम 29 मौजूदा श्रम कानूनों को सुव्यवस्थित करेगा और औपनिवेशिक काल की पुरानी व्यवस्थाओं से हटकर आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों के अनुरूप होगा। इस नए लेबर कोड के कारण लोगों के सैलरी स्ट्रक्चर में भी बदलाव होगा। अब कर्मचारियों की सैलरी का कम से कम 50% हिस्सा बेसिक सैलरी (मूल वेतन) होगा। यह नियम 'कोड ऑन वेजेज' के तहत लागू हुआ है। इसका मतलब है कि अब प्रोविडेंट फंड (PF) और ग्रेच्युटी (Gratuity) में जाने वाला पैसा बढ़ जाएगा। पीएफ और ग्रेच्युटी की गणना बेसिक सैलरी के आधार पर होती है। जब बेसिक सैलरी बढ़ेगी, तो कर्मचारी और कंपनी, दोनों का ही पीएफ और ग्रेच्युटी में योगदान बढ़ जाएगा। इससे कर्मचारियों की रिटायरमेंट के लिए जमा होने वाली रकम तो बढ़ेगी, लेकिन हाथ में आने वाली सैलरी (take-home salary) थोड़ी कम हो सकती है। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि कुल सैलरी (CTC) तो उतनी ही रहेगी। लेकिन सीटीसी में से ही पीएफ और ग्रेच्युटी का हिस्सा बढ़ जाएगा। यह नया नियम शुक्रवार से लागू हो गया है। हालांकि, सरकार अगले 45 दिनों में इसके नियम बताएगी। इसके बाद कंपनियों को अपनी सैलरी स्ट्रक्चर (वेतन संरचना) को इन नियमों के हिसाब से बदलना होगा। यह नियम इसलिए लाया गया है ताकि कंपनियां जानबूझकर बेसिक सैलरी कम न रखें और अलाउंस (भत्ते) बढ़ाकर पीएफ और ग्रेच्युटी में अपना योगदान कम न कर सकें। अभी पीएफ का 12% हिस्सा बेसिक सैलरी पर कटता है। ग्रेच्युटी की रकम भी आखिरी बेसिक सैलरी और कंपनी में काम करने के सालों पर निर्भर करती है। इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सुचिता दत्ता ने कहा कि नए लेबर कोड्स 'कोड ऑन वेजेज' और 'सोशल सिक्योरिटी' के तहत 'वेजेज' (सैलरी) की परिभाषा को एक जैसा बनाते हैं। इससे ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड बेहतर होगा, लेकिन अगर कंपनियां खर्च कम करने के लिए अलाउंस घटाती हैं, तो हाथ में आने वाली सैलरी कम हो सकती है। नांगिया ग्रुप की पार्टनर अंजलि मल्होत्रा ने बताया कि अब 'वेजेज' में बेसिक पे, डियरनेस अलाउंस (DA) और रिटेनिंग अलाउंस (RA) शामिल होंगे। कुल कमाई का 50% (या सरकार द्वारा तय की गई कोई और प्रतिशत राशि) 'वेजेज' में जोड़ा जाएगा। इससे ग्रेच्युटी, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा लाभों की गणना में एकरूपता आएगी। पहले कंपनियां बेसिक सैलरी कम रखकर बाकी पैसा अलग-अलग भत्तों के रूप में दे देती थीं। इससे पीएफ और ग्रेच्युटी में उनका योगदान कम होता था।

भूत को बनाया बंदी

एक समय की बात है,

एक पंडित अपनी पत्नी को लेने के लिए ससुराल जा रहा था। तभी उसे रास्ते में एक व्यक्ति मिला। उसने पंडित से पूछा, "महाराज कितनी दूर तक जा रहे हैं।" पंडित ने कहा कि मैं अपनी पत्नी को ससुराल से लाने जा रहा हूं। हैरानी से उस व्यक्ति ने पंडित से कहा कि आप पितृपक्ष में पत्नी को लेने के लिए जा रहे हैं। क्या आप जानते नहीं हैं कि इस महीने में किसी तरह का शुभ कार्य नहीं किया जाता।

पंडित ने तपाक से कहा, "अरे मैं ब्राह्मण हूं। मुझपर ये सारे नियम लागू बिल्कुल भी नहीं होते।"

उस व्यक्ति को पंडित के मुंह से ऐसी बातें सुनकर बड़ा अजीब लगा, लेकिन वो कर भी क्या सकता था। वो चुपचाप वहां से निकल गया।

पंडित भी अपने रास्ते की ओर चलते चले गए और कुछ देर बाद ससुराल पहुंचे। वहां पहुंचते ही उनका खूब आदर सत्कार हुआ, लेकिन लड़की वालों ने भी पितृपक्ष में बेटी को घर से ससुराल भेजने से मना कर दिया।

ब्राह्मण भी मानने वालों में से थे नहीं। उन्होंने जिद पकड़ ली कि वो अपनी पत्नी को लेकर ही जाएंगे और होते-होते वो अपनी पत्नी को लेकर अपने घर की ओर निकल पड़े।

रास्ते में कुछ देर आगे बढ़ने पर पंडित को जोर से प्यास लगने लगी। सामने ही उन्हें कुआं नजर आया। वो वहां गए और रस्सी को खींचकर पानी निकालने लगे। उसी वक्त एक व्यक्ति भी वहां पहुंचा और उसने पंडित से अपने लिए भी पानी निकालने के लिए कहा। जैसे ही पंडित उसके लिए पानी निकालने लगे, तो उसने पंडित को उठाकर कुए के अंदर डाल दिया और पंडित के भेष में उसकी पत्नी के साथ रास्ते में आगे बढ़ने लगा।

दोनों कुछ देर बाद पंडित के घर पहुंच गए। वो व्यक्ति पंडित का ही रूप बनाकर उस महिला के साथ रहने लगा।

ऐसा होते-होते तकरीबन तीन महीने बीत गए, लेकिन पंडित अभी भी कुएं में ही फंसे थे। कुछ दिनों बाद उसी कुएं के पास से एक व्यक्ति अपनी बैल लेकर गुजर रहा था। बैलों के गले की घंटी की आवाज कुएं के अंदर फंसे पंडित के कानों पर पड़ी। तभी पंडित जोर से चिल्लाया, "बचाओ-बचाओ, कोई है तो मुझे बाहर निकालो।"

बैल लेकर जा रहे आदमी को लगा कि कुएं से कोई भूत बोल रहा है। फिर भी वो हिम्मत करके कुएं के पास गया और पूछा, "कौन हो तुम?"

पंडित ने कुएं के अंदर से ही उस व्यक्ति को अपने साथ हुई पूरी घटना के बारे में बता दिया। सबकुछ सुनकर उस इंसान का दिल भर आया और पंडित को कुएं से बाहर निकाल लिया। कुएं से निकलते ही पंडित फटाफट अपनी पत्नी से मिलने के लिए गांव पहुंच गया। वहां जाते ही उसे पता चला कि उसी के भेष का एक इंसान गांव में रह रहा है।

पंडित ने अपने पिता को बताया कि मैं आपका असली बेटा हूं। इसने मुझे कुएं में धक्का मार दिया था और मेरा रूप लेकर यहां आ गया है। यही बात पंडित पूरे गांव वालों को बोलने लगा, लेकिन किसी ने उसकी बात पर भरोसा नहीं किया।

बात इतनी बढ़ी कि राजा के पास तक पहुंच गई। राजा ने पूरा मामला सुनने के बाद एक बड़ा सा चबूतरा बनवाकर पूरे राज्य के लोगों को बुलाया। साथ ही एक लोटा भी वहां रख दिया।

जब सभी लोग वहां पहुंच गए, तो राजा ने दोनों से पूछा, "तुम में से असली पंडित कौन है?" जवाब में दोनों ने कहा, "मैं असली हूं-मैं असली हूं।"

इस बात को सुनते ही राजा ने कहा कि जो भी जल्दी से इस लोटे में घुसकर बाहर निकलेगा, उसी को मैं असली पंडित घोषित कर दूंगा। इतना सुनने पर झट से एक पंडित लोटे के अंदर घुस गया। इतने में राजा ने लोटे का ढक्कन तेजी से बंद कर दिया। लोटे के अंदर बंद होते ही वो चिल्लाने लगा कि राजा मुझे माफ कर दो मैं आगे से ऐसा कुछ नहीं करूंगा।

इतना सब देखकर लोग समझ गए कि असली पंडित कौन है। सबको पता चल गया कि वो भूत था, जो लोटे में घुस गया था। वह भूत पंडित को सबक सिखाने के लिए उसका रूप बनाकर उसी के घर में रह रहा था, क्योंकि वो पितृ पक्ष में शुभ कार्य कर रहा था।

कहानी से सीख

बड़े-बुजुर्गों द्वारा कही गई बातों के पीछे कोई-न-कोई वजह छिपी होती है, इसलिए शुभ कार्यों को पितृ पक्ष में नहीं किया जाना चाहिए। बुजुर्गों के अनुभव के आधार पर ही कुछ समय के लिए पितृ पक्ष के दौरान शुभ कार्य करने से रुक जाना चाहिए।

रंग भरो

Maharashtra

कार चलाते हुए ड्राइवर को अचानक आया हार्ट अटैक और चंद मिनटों में खत्म हो गई चार जिंदगियां

अंबरनाथ. महाराष्ट्र के अंबरनाथ में हुए भीषण हादसे ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया. चुनाव प्रचार के दौरान कार चालक को अचानक हार्ट अटैक आने से वाहन अनियंत्रित हो गया और कई वाहनों को टक्कर मारते हुए चार लोगों की जान ले ली. हादसे में शिवसेना उम्मीदवार किरण चौबे सहित चार लोग घायल हुए हैं. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे देखकर लोग हैरान और परेशान हैं.

जानकारी के मुताबिक हादसा शहर के व्यस्त फ्लाईओवर पर हुआ, जहां ड्राइवर को अचानक हार्ट अटैक आ गया जिससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर

पार करते हुए कई वाहनों को टक्कर मार दी. यह भयावह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है.

शिवसेना की महिला उम्मीदवार किरण चौबे अपने ड्राइवर लक्ष्मण शिंदे के साथ चुनाव प्रचार के लिए बुवा पाडा क्षेत्र जा रही थीं. फ्लाईओवर पर पहुंचते ही ड्राइवर को अचानक हार्ट अटैक आ गया जिससे कार उसके नियंत्रण से बाहर हो गया.

इस दुर्घटना में ड्राइवर लक्ष्मण शिंदे की मौके पर ही मौत हो गई. इसके अलावा अंबरनाथ नगर परिषद के कर्मचारी चंद्रकांत अनारके, स्थानीय निवासी सुमित चेलानी और शैलेश जाधव की भी जान चली गई. चंद्रकांत अनारके मोटरसाइकिल से जा रहे थे और टक्कर लगने के बाद फ्लाईओवर के बीचोंबीच गिर पड़े. उन्हें

Rajasthan

अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री में 3 मजदूर जिंदा जले

1100 डिग्री सेल्सियस पर उबलता मटेरियल गिरा, पहले दिन ही काम पर आए थे 2 युवक

ब्यावर, (एजेंसी) ब्यावर जिले में अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री में काम कर रहे 3 मजदूरों पर 1100 डिग्री सेल्सियस पर उबलता हुआ मटेरियल गिर गया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे रास थाना क्षेत्र में हुआ। तीनों मजदूर उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। इनमें दो मजदूर पहले ही दिन काम पर फैक्ट्री में आए थे। ASI रोहिताश ने बताया- फैक्ट्री में रोज की तरह बड़ी संख्या में मजदूर काम कर रहे थे। अचानक बॉयलर फटने से पीएच सेक्शन में काम कर लौट रहे मजदूरों पर ऊपर से अत्यधिक गर्म मटेरियल गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार क्लीन सेक्शन में तापमान करीब 1100 डिग्री सेल्सियस रहता है। अत्यधिक मात्रा में गिरे मटेरियल से मजदूर 90 प्रतिशत से अधिक झुलस गए थे। उनकी हड्डियां तक पिघलने का दावा किया जा रहा है। हादसे में अजय कुमार (21) पुत्र वंश नारायण, पप्पू कुमार (25) पुत्र दुर्गा कुमार और गोविंद मौर्या (22) की मौत हुई है। ये तीनों उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के चुनार थाना क्षेत्र के निवासी थे और आर.के. रि-फैक्ट्री कंपनी के तहत कार्यरत थे। अजय और गोविंद पहले दिन ही काम पर आए थे। वहीं, पप्पू एक महीने से कार्यरत था। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतकों के परिजन भी इसी फैक्ट्री में काम करते हैं। वे शव सौंपने की मांग करते रहे। हालांकि, फैक्ट्री प्रशासन द्वारा औपचारिकताओं में देरी के कारण परिजनों में आक्रोश देखा गया।

New Delhi

भारत में 30% महिलाओं ने पार्टनर से हिंसा झेली

नई दिल्ली, (एजेंसी) वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 30% महिलाएं इंटीमेट पार्टनर

वॉयलेंस का शिकार हुई हैं। यानी कि उनके पति या पार्टनर के जरिए मानसिक, आर्थिक और यौन हिंसा की गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि 15 से 49 एज ग्रुप की हर पांचवीं महिला इससे पीड़ित है। वहीं दुनिया में करीब 84 करोड़ महिलाओं ने अपनी जिंदगी में कभी न कभी पार्टनर की तरफ से सेक्सुअल एब्यूज झेला है। साल 2000 के बाद से यह आंकड़ा मुश्किल से ही बदला है। अगर नॉन-पार्टनर की बात की जाए तो दुनिया भर में 15-49 साल की उम्र की 8.4 परसेंट महिलाओं को किसी ऐसे व्यक्ति से सेक्सुअल हिंसा का सामना करना पड़ा है जो पार्टनर नहीं है। वहीं भारत में 15 साल और उससे ज्यादा उम्र की लगभग चार परसेंट महिलाओं के साथ किसी ऐसे व्यक्ति ने यौन हिंसा की है जो उनका पार्टनर नहीं है।

Gujrat

गुजरात- आज बेटे की सगाई थी, रात को परिवार खत्म

आग से घर में जहरीला धुआं भरा, पति-पत्नी और 2 बेटों की मौत

अहमदाबाद, (एजेंसी) गुजरात के गोधरा में गुरुवार देर रात घर में लगी आग के धुएं से दम घुटकर एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। परिवार के बड़े बेटे की आज सगाई होनी थी। रात को पूरी तैयारियां की गईं।

सुबह उन्हें वापी निकलना था, लेकिन आग लगने से उठे जहरीले धुएं ने उनकी जान ले ली। मृतकों में कमलभाई दोशी (50), उनकी पत्नी देवलबेन (45), बड़ा बेटा देव (24) और छोटा बेटा राज (22) शामिल हैं।जानकारी के अनुसार, देर रात ग्राउंड फ्लोर पर रखे सोफे में शॉर्ट-सर्किट या किसी दूसरे कारण से आग लग गई। घर चारों तरफ से कांच से बंद था, ऐसे में जहरीला धुआं बाहर नहीं निकल पाया। ऐसे में

किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। फायर ब्रिगेड पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी पड़ोसियों ने सुबह घर से धुआं उठता देखा तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी। लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी।

खेल

सुपर ओवर में वाइड गेंद ने बांग्लादेश ए को दिलाया फाइनल का टिकट, भारत ए हुआ उलटफेर का शिकार

दोहा। भारत ए और बांग्लादेश ए के बीच शुक्रवार को खेला गया एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा। अकबर अली की कप्तानी वाली बांग्लादेश की टीम ने भारत ए को सुपर ओवर में हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला रविवार को दोहा में खेला जाएगा, जिसमें बांग्लादेश का सामना पाकिस्तान और श्रीलंका में से दूसरा सेमीफाइनल जीतने वाली टीम से होगा।

भारत को आखिरी गेंद पर चार रन चाहिए थे और हर्ष दुबे ने शॉट लगाया जिस पर भारत ने दो रन चुराने की कोशिश की। बांग्लादेश ए टीम आसानी से मैच जीत रही थी, लेकिन कप्तान और विकेटकीपर अकबर अली ने रन आउट करने की कोशिश में गेंद को स्टंप्स की तरफ थ्रो किया। गेंद स्टंप्स को मिस करके ऑफ साइड की तरफ गई जिससे हर्ष और नेहल वढेरा ने तीन रन जुटाए। इस तरह भारत का स्कोर भी 20 ओवर की समाप्ति के बाद छह विकेट पर 194 रन हो गया। बांग्लादेश कप्तान की गलती से मैच टाई हो गया और अब नतीजे के लिए सुपर ओवर का इंतजार करना पड़ा। भारतीय टीम के पास फाइनल में पहुंचने का एक सुनहरा अवसर था। भारत की ओर से सुपर ओवर में बल्लेबाजी के लिए कप्तान जितेश शर्मा और रमनदीप सिंह उतरे। आश्चर्य की बात यह रही कि विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को सुपर ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा गया। बांग्लादेश के लिए रिपोन गेंदबाजी करने आए। उन्होंने पहली ही गेंद पर जितेश को बोल्ड कर दिया। इसके बाद आशुतोष शर्मा उतरे, लेकिन अगली ही गेंद पर ऊंचा शॉट खेलने के चक्कर में वह भी कैच आउट हो गए। इस तरह भारत सुपर ओवर में पूरे छह गेंद भी नहीं खेल सका और एक भी रन नहीं बना पाया। बांग्लादेश को सुपर ओवर में एक रन की जरूरत थी। सुयश शर्मा की गेंद पर यासिर अली ने बड़ा शॉट खेला और रमनदीप ने बाउंड्री पर शानदार कैच पकड़ा। अब बांग्लादेश ने भी एक विकेट गंवा दिया था। फिर अकबर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन सुयश ने वाइड गेंद फेंकी और बांग्लादेश फाइनल में पहुंचने में सफल रहा। दोहा में खेले गए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में भारत का सामना बांग्लादेश से हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए ने 20 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाए। हबिबुर रहमान सोहन और जीशान आलम ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी हुई, जिसे गुरजपनीत सिंह ने तोड़ा। उन्होंने जीशान को अपना शिकार बनाया। वह 14 गेंदों में 26 रन बनाकर लौटे। इसके बाद जावद अबरार (13) को 10वें ओवर में रमनदीप ने पवेलियन भेजा। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए कप्तान अकबर अली भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और सिर्फ नौ रन बनाकर आउट हो गए जबकि अबु हाइदर खाता भी नहीं खोल सके।

सिनेमा

मालती को लेस्बियन कहने पर भड़के दीपक चाहर, लगाई कुनिका की क्लास, बोले- शादी...

बिग बॉस अपने अंतिम पड़ाव पर है. फिनाले के करीब आते ही कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के खिलाफ कुछ भी बोलते दिख रहे हैं. फैमिली वीक में कंटेस्टेंट्स की फैमिली बिग बॉस हाउस पहुंचीं. इस हफ्ते घर में मालती चाहर के भाई क्रिकेटर दीपक चाहर पहुंचे. बिग हाउस में एंट्री लेते ही उन्होंने बहन मालती को रोस्ट किया. बातचीत के दौरान दीपक ने कुनिका सदानंद की क्लास लगाई. कुनिका सदानंद ने नेशनल टीवी पर मालती चाहर को लेस्बियन बताया था. दीपक चाहर जब बिग बॉस पहुंचें, तो उन्होंने सबके सामने इस मुद्दे को उठाया. दीपक ने उनसे कहा कि आप ने अगर किसी को 'लेस्बियन या गे' बोल दिया तो ये बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है. मैं ये नहीं कहूंगा कि आप गलत बोल रहे हो, या झूठ बोल रहे हो. आपने ये बोला था कि मैं 100 प्रतिशत श्योर हूं कि वो लेस्बियन है. ये बहुत गलत बात है. दीपक ने आगे कहा कि मैं यहां लड़ने नहीं आया हूं. बस अपनी बात कह रहा हूं. मालती शादीशुदा नहीं है. अगर कोई मैरिड नहीं है. आप उसके बारे में ये सब चीज बोलते हो, तो लोग उसके प्रति अपना एक नजरिया बना लेते हैं. शो के बाद हो सकता है कि लोगों के दिमाग में उसकी वही इमेज बैठ जाए.

Highlights

1. Punjab police bust Pak ISI-backed terror module, 2 operatives shot
2. RSS outfits protest after 90% Muslim students admitted to Vaishno Devi college
3. Delhi bomber Umar held online sessions on suicide bombing: Reports
4. Police official accused in ₹7.11-cr ATM cash van robbery in B'luru
5. RJD shares video of Nitish trying to touch PM's feet at airport

New era for gig workers: What Swiggy, Zomato and their ilk must do under India labour codes

NEW DEIHI, (Agency). The government has formally implemented India's four new Labour Codes, replacing 29 fragmented labour laws, in what is seen as a pivotal moment for gig workers in the world's fourth largest economy.

Essentially, the likes of Swiggy Ltd., Zomato, Blinkit and Zepto can no longer view their delivery partners as independent contractors. They now have a responsibility towards their social security.

Defining the Undefined: A Formal Recognition

India's new labour codes, particularly the Code on Social Security, 2020, finally defines who a gig worker and who employs them.

A gig worker works outside a traditional employer-employee setup.

A platform worker provides service via access to online platforms.

An online aggregator connects a service provider to the customer.

This lays the foundation for extending welfare benefits to an estimated 40 crore workers in the unorganised sector.

The Financial Mandate: Social Security of Gig Workers

The biggest and most immediate obligation is social security contribution for gig workers by aggregators such as Swiggy and Zomato.

Under the Code on Social Security, 2020, aggregators are required to contibute 1-2% of their annual turover to social security of the gig workers they employ. This amount is capped at 5% of the total amount paid or payable by the aggregator to the gig workers.

This shifts the responsibility of providing basic social security to the companies that benefit from their services.

The Implementation — A Statutory Duty

For Swiggy, Zomato, and other aggregators, compliance will require significant operational and structural changes. They must move beyond voluntary moves and establish comprehensive, transparent systems to fulfill their new statutory duties.

Meesho eyes $6-billion valuation in IPO set for early December launch

NEW DEIHI, (Agency). Meesho Ltd. is seeking a valuation of about ₹53,000 crore (about $6 billion) in its IPO scheduled for early December, joining a growing list of firms tapping into India's booming IPO market.

The SoftBank Group Corp.-backed e-commerce firm is in talks with SBI Funds Management Ltd. for a pre-IPO placement, Bloomberg News reported on Friday, citing people aware of the development. They requested anonymity since the information is private. The potential placement could alter the IPO size, estimated at about ₹6,000 crore, they said. Deliberations are ongoing, and details including timing and deal size could still change, the people said. Representatives for Meesho and SBI Mutual Fund did not immediately respond to requests for comment. HT.com has not independently verified this information.

The Meesho IPO will comprise a fresh issue of shares worth ₹42,500 crore and an offer for sale of 17.57 crore shares by existing investors, according to the company's draft red-herring prospectus. The company generated ₹1,032 crore in free cash flow in the fiscal ended 31 March 2025—the highest among listed e-commerce firms in India. Kotak Mahindra Capital Co. Ltd., Axis Bank Ltd., and local units of JPMorgan Chase & Co., Morgan Stanley and Citigroup Inc. are advising on the IPO, according to the prospectus.

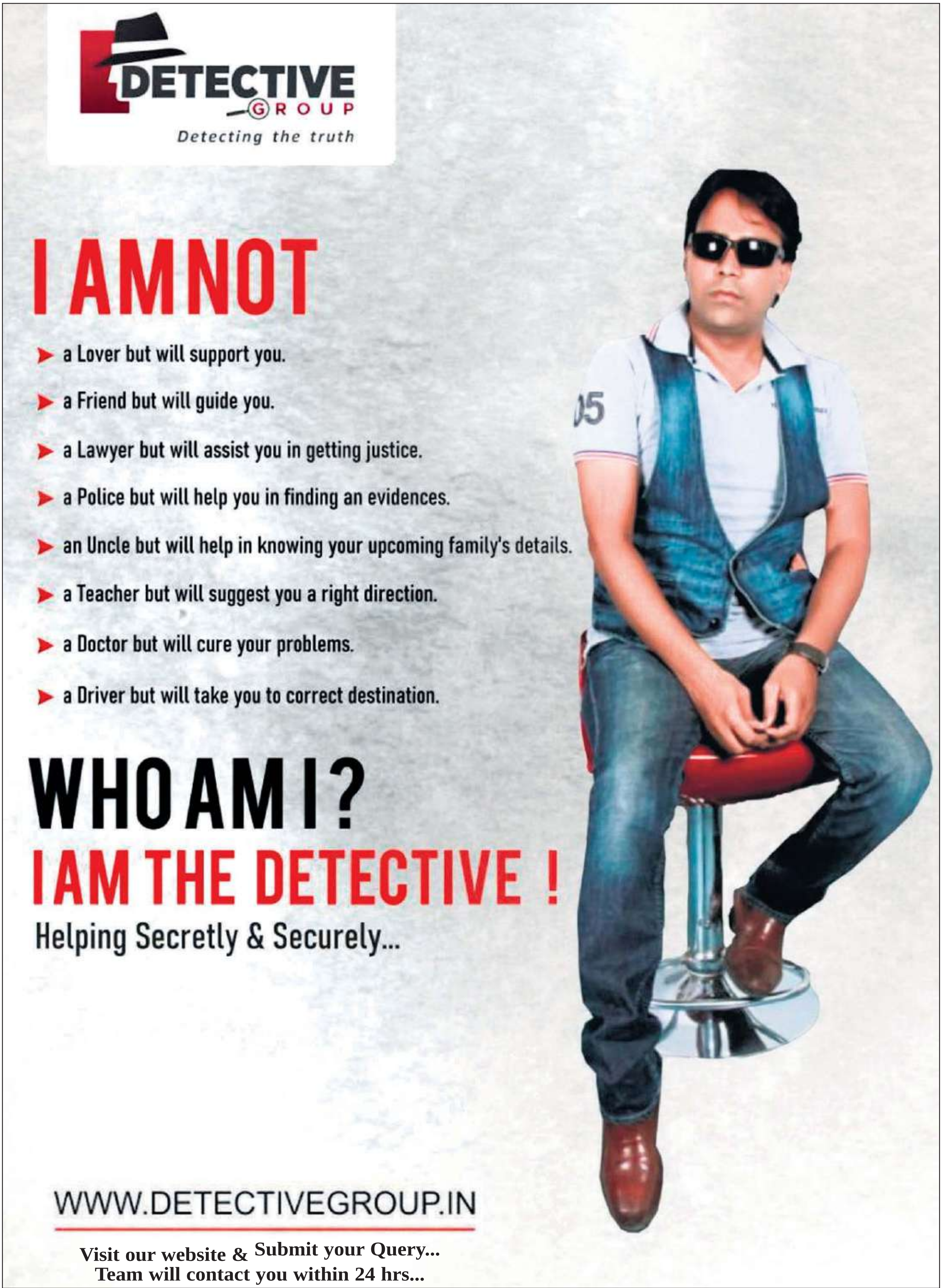

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक